अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2025) दिनांक : 17.08.2025

समय सीमा : 3 घंटा षष्टम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

पच्चीस बोल, तत्त्व चर्चा, पच्चीस बोल की चर्चा, पच्चीस बोल की चतुर्भंगी–20

प्र. 1 **पच्चीस बोल–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) इन्द्रिय किसे कहते हैं?

(ख) प्राण जीव के कौन से लक्षण हैं?

(ग) चार कोटि त्याग में कितने भांगे हो सकते हैं? संख्या लिखें।

(घ) दृष्टि शब्द के दो अर्थ लिखें।

(ड़) सातवां व छठा दण्डक कौन सा है?

(च) 19वां व 15वां पाप कौन सा है?

(छ) एकाकारता व भिन्नाकारता को दूसरे शब्दों में क्या कहते हैं?

प्र. 2 **तत्त्व चर्चा–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) छह द्रव्य में चोर कितने, साहुकार कितने?

(ख) धर्म छः में कौन, नौ में कौन?

(ग) पुण्य और धर्म एक या दो?

(घ) पुण्य धर्म या अधर्म?

(ड़) छह द्रव्य में रूपी कितने? अरूपी कितने?

(च) अरिहंत भगवान देवता या मनुष्य?

(छ) अठारह पापों के सेवन का त्याग करना छह में कौन? नौ में कौन?

प्र. 3 **पच्चीस बोल की चर्चा–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें (किसमें और कौन-कौन से)– 5

(क) तीन द्रव्य।

(ख) बारह दण्डक।

(ग) पांच आत्मा।

(घ) तीन लेश्या।

(ड़) जीव के ग्यारह भेद।

(च) ग्यारह गुणस्थान।

(छ) आठ उपयोग।

प्र. 4 **चतुर्भंगी–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) कौन सा द्रव्य कम, कौन सा द्रव्य अधिक?

(ख) संवर जीव या अजीव?

(ग) किस निर्जरा के जीव कम, किस निर्जरा के जीव अधिक?

(घ) जीव भेद किस कर्म का उदय?

(ड़) तुम्हारे में आत्मा कितनी?

(च) भांगा किस कर्म का उदय?

(छ) जाति जीव या अजीव?

जैन तत्व प्रवेश (प्रथम खण्ड) (कर्म प्रकृति)–20

प्र. 5 **जैन तत्व प्रवेश–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) क्षायिक भाव लिखें।

(ख) प्रथम पांच कर्म के उदाहरण लिखें।

(ग) द्रव्य गुण पर्याय द्वार–सामान्य गुणों को परिभाषित करें।

(घ) आश्रव के भेदों का नाम सहित वर्णन करें।

(ड़) सिद्धों के भेद लिखें।

(च) दृष्टांत द्वार–बंध के अंतर्गत दूसरे, तीसरे व चौथे प्रश्नों के प्रश्न उत्तर सहित वर्णित करें।

प्र. 6 **कर्म प्रकृति–**किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 10

(क) अप्रत्याख्यानी चतुष्क के लक्षण एवं कार्य का यंत्र बताएं।

(ख) स्थावर दशक की अंतिम दो प्रकृतियों को समझाएं।

(ग) उदय किसे कहते हैं, वर्णित करें।

(घ) देव आयुष्य बंध के हेतुओं का वर्णन करें।

(ड़) कर्म को परिभाषित करें।

(च) ज्ञानावरणीय कर्म भोगने के अंतिम पांच हेतु का वर्णन करें।

(छ) प्रत्येक प्रकृति–सातवीं, छठी व पांचवी प्रकृति का वर्णन करें।

बावन बोल, इक्कीस द्वार, जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय, तृतीय खण्ड)–20

प्र. 7 **बावन बोल–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) बाईस परीषह किस-किस कर्म के उदय से?

(ख) आठ आत्मा कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) चौदह गुणस्थान कितने भाव, कितनी आत्मा? ग्यारहवें गुणस्थान से लेकर अंत तक लिखें।

(घ) आश्रव के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

प्र. 8 इक्कीस द्वार–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) अभाषक–जीव के भेद, गुणस्थान, दोष, उपयोग, वीर्य, दृष्टि।

(ख) अचरम–गुणस्थान, पक्ष, भवी अभवी, भाव, आत्मा, उपयोग।

(ग) वचनयोगी–जीव के भेद, गुणस्थान, योग, दण्डक, पक्ष, भवी अभवी।

(घ) मति अज्ञानी, श्रुत अज्ञानी–पक्ष, दृष्टि, वीर्य, योग, आत्मा, भाव।

प्र. 9 **जैन तत्त्व प्रवेश–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) बारह अंगों के नाम लिखें।

(ख) विश्राम द्वार।

(ग) श्रावक चिन्तन द्वार लिखें।

लघु दण्डक व पांच ज्ञान–20

प्र. 10 **लघु दण्डक–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) दर्शन द्वार लिखें।

(ख) पर्याप्ति द्वार लिखें।

(ग) गति-आगति द्वार–पृथ्वीकाय से प्रारंभ करते हुए बीस अकर्मभूमि तक लिखें।

(घ) दृष्टि द्वार।

(ड़) लेश्या द्वार–भवनपति से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

प्र. 11 **पांच ज्ञान–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) मनःपर्यवज्ञान का स्वामी समझाएं।

(ख) गमिक श्रुत से प्रारंभ करते हुए अंत तक लिखें।

(ग) परोक्ष ज्ञान से प्ररंभ करते हुए अश्रुत निश्रित मतिज्ञान के चार प्रकार हैं–इसके पूर्व भाग तक लिखें।

संजया-नियंठा–20

प्र. 12 **संजया–**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 12

(क) परिहार विशुद्धि चारित्र का अंतर द्वार लिखते हुए बताऐं कि अनेक जीवों की अपेक्षा जघन्य व उत्कृष्ट अंतर किस अपेक्षा से है?

(ख) सामायिक चारित्र का स्थिति द्वार लिखते हुए बताऐं कि जघन्य स्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

(ग) उदीरणा किसे कहते हैं? सामायिक चारित्र का उदीरणा द्वार लिखें व बतायें कि इन कर्मों की उदीरणा के पीछे क्या अपेक्षाएं हैं?

(घ) कल्प किसे कहते हैं? कल्प के विषय का पूर्ण विवरण प्रस्तुत करें।

प्र. 13 **नियंठा–**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) स्नातक के प्रकारों को समझाएं।

(ख) नियंठा का प्रज्ञापना द्वार लिखें।

(ग) बकुश-कालद्वार, कषायकुशील-कर्म उदीरणा, पुलाक-प्रव्रजया द्वार, अंतर द्वार लिखें।